Dr. HONEY SINHA
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce

Lecture :- 42

Date :
Page :

Sub :- Business Organisation (Subsidiary)
Paper :- 1st

SNSRKS College, SAHARSA

B. Com. Part - 1st

Sub :- Business Organisation (Subsidiary)

*Introduction

**Characteristics of a Sound Organisation (स्वास्थ्य संगठन की विशेषताएं)

एक स्वस्थ संगठन की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएँ हैं :-

(i) उद्देश्यों की प्राप्ति (Realisation Of objectives) संगठन किसी इकाई के उद्देश्य की प्राप्ति का साधन है। इसलिए संगठन को विभिन्न विभागों, उपविभागों, शाखाओं एवं उपशाखाओं में बाँटा जाता है।

(ii) नियंत्रण एवं उचित क्षेत्र (Reasonable Scope and control) प्रत्येक पदाधिकारी के अधीनस्थ कर्मचारियों की उचित संख्या होनी चाहिए। व्यवहारिक रूप से यह संख्या 4-5 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(iii) कार्यों का स्वस्थ सामूहिकरण :- उद्देश्य की उपलब्धि के लिये संगठन में सरलता का गुण होना आवश्यक है। अतः एक सुगम संगठन के निर्माण पर विशेष बल दिया जाता है। इसके लिये सामूहिकरण का ऐसा तरीका अपनाया जाना चाहिए जिससे क्रिया, परामर्श एवं समन्वय सम्बन्धी मितव्ययिताएं प्राप्त हो जाएं।

(iv) श्रम शक्ति का अधिकतम उपयोग :- एक अच्छे संगठन में श्रम शक्ति का मितव्ययितापूर्वक एवं पूर्णरूपेण उपयोग होना चाहिए।

(vi) विकास एवं विस्तार की व्यवस्था (Provision for Development and expansion):- एक स्वस्थ संगठन में विकास एवं विस्तार के पर्याप्त मौके होने चाहिए ताकि परिस्थिति के अनुसार इसमें परिवर्तन किया जा सके।

(vii) कर्तव्य एवं दायित्वों का स्पष्ट बँटवारा (Clear distribution of Rights And duties) एक अच्छे संगठन में इसके अधिकारियों, कार्यकर्त्ताओं एवं मजदूरों के अधिकार एवं कार्य सुपरिभाषित होने चाहिए।

(viii) कार्यान्वयन में सुविधा (Easy Execution) एक अच्छे संगठन में कार्यों का सुविधाजनक एवं मितव्ययी होना भी आवश्यक है। इससे अनावश्यक जटिलताओं एवं परेशानियों से सुरक्षा होती है।

(viii) विशिष्टकरण (Specialisation) किसी संगठन के विशिष्टीकरण में श्रमिकों के शारिरिक एवं मानसिक शक्ति का पर्याप्त ख्याल किया जाना चाहिए।

(ix) समन्वय (Co-Ordination) एक अच्छे संगठन में विभागों एवं उपविभागों तथा शाखाओं में उचित समन्वय होना भी आवश्यक है। इससे लालफीताशाही का उन्मूलन एवं कार्यों का उचित संचालन होता है।

(x) अधिकतम संतुष्टि (Maximum Satisfaction) किसी संगठन की सफलता अथवा विफलता की सूचना इसी बात से मिलती है कि वह संगठन अपने सदस्यों, समूहों एवं व्यक्तियों को किस सीमा तक संतुष्ट कर सकता है।

The end

Dr. HONEY SINHA
(Assistant Professor)
Dept. of Commerce
Sub:- Business Organisation (Sub)
SNSRKS College, SAHARSA